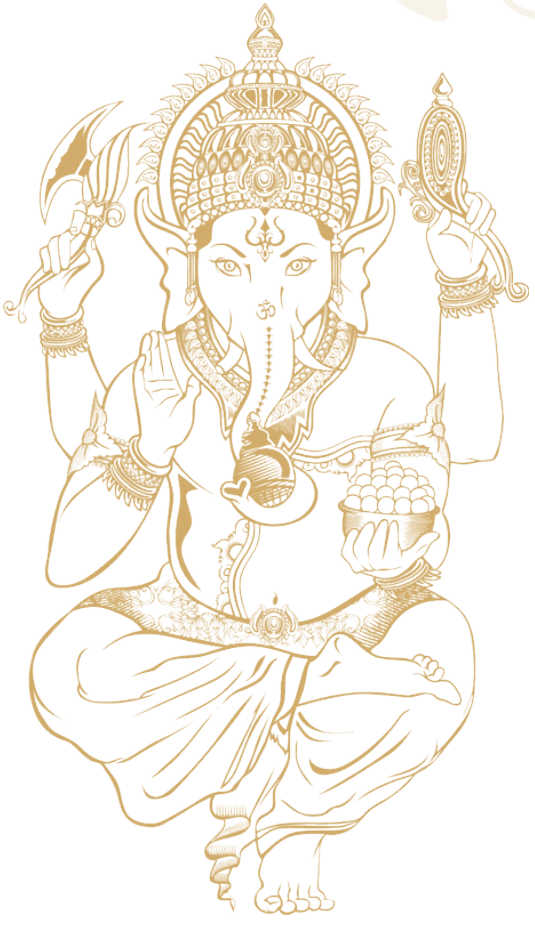

Amal Roy

18 Sep 1967

04:00 PM

Raipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121473209

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/09/1967**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:00:00 घंटे**
इष्ट	25:22:52 घटी
स्थान	**Raipur**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	21:16:00 उत्तर
रेखांश	81:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:56:48 घंटे
वेलान्तर	00:05:33 घंटे
साम्पातिक काल	15:43:26 घंटे
सूर्योदय	05:50:51 घंटे
सूर्यास्त	18:04:04 घंटे
दिनमान	12:13:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:25:10 कन्या
लग्न के अंश	23:43:07 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शूल
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	23:43:07	419:12:57	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
सूर्य			कन्या	01:25:10	00:58:33	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	सम राशि
चंद्र			कुंभ	28:24:31	12:07:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	12:09:06	00:40:23	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	स्वराशि
बुध			कन्या	20:23:36	01:30:04	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	स्वराशि
गुरु			सिंह	00:50:02	00:12:10	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	04:18:32	00:04:42	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	16:43:40	00:04:27	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
राहु	व		मेष	04:47:37	00:04:40	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	04:47:37	00:04:40	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कन्या	01:25:00	00:03:46	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
नेप			तुला	28:43:44	00:01:24	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			सिंह	27:12:16	00:02:11	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			वृश्चि	04:42:32	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:24:14

लग्न-चलित

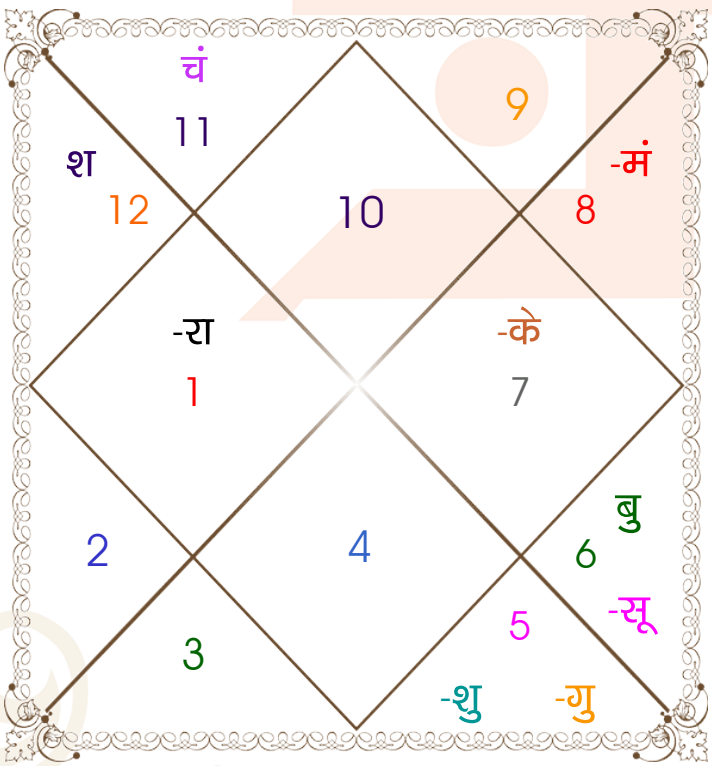

चन्द्र कुंडली

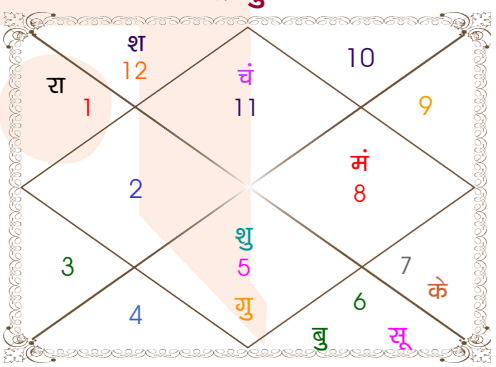

नवमांश कुंडली

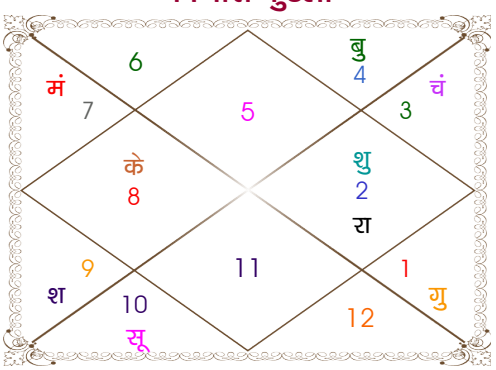

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 10 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/09/1967		16/08/1973		15/08/1992		16/08/2009		15/08/2016	
16/08/1973		15/08/1992		16/08/2009		15/08/2016		15/08/2036	
	00/00/0000	शनि	19/08/1976	बुध	12/01/1995	केतु	12/01/2010	शुक्र	16/12/2019
	00/00/0000	बुध	29/04/1979	केतु	09/01/1996	शुक्र	14/03/2011	सूर्य	15/12/2020
	00/00/0000	केतु	06/06/1980	शुक्र	09/11/1998	सूर्य	20/07/2011	चंद्र	16/08/2022
	18/09/1967	शुक्र	07/08/1983	सूर्य	16/09/1999	चंद्र	18/02/2012	मंगल	16/10/2023
शुक्र	27/02/1968	सूर्य	19/07/1984	चंद्र	14/02/2001	मंगल	16/07/2012	राहु	16/10/2026
सूर्य	15/12/1968	चंद्र	17/02/1986	मंगल	11/02/2002	राहु	04/08/2013	गुरु	16/06/2029
चंद्र	16/04/1970	मंगल	29/03/1987	राहु	31/08/2004	गुरु	10/07/2014	शनि	15/08/2032
मंगल	23/03/1971	राहु	02/02/1990	गुरु	07/12/2006	शनि	19/08/2015	बुध	16/06/2035
राहु	16/08/1973	गुरु	15/08/1992	शनि	16/08/2009	बुध	15/08/2016	केतु	15/08/2036

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
15/08/2036		16/08/2042		15/08/2052		16/08/2059		16/08/2077	
16/08/2042		15/08/2052		16/08/2059		16/08/2077		00/00/0000	
सूर्य	03/12/2036	चंद्र	16/06/2043	मंगल	12/01/2053	राहु	28/04/2062	गुरु	04/10/2079
चंद्र	04/06/2037	मंगल	15/01/2044	राहु	30/01/2054	गुरु	21/09/2064	शनि	16/04/2082
मंगल	10/10/2037	राहु	16/07/2045	गुरु	06/01/2055	शनि	29/07/2067	बुध	22/07/2084
राहु	03/09/2038	गुरु	15/11/2046	शनि	15/02/2056	बुध	14/02/2070	केतु	28/06/2085
गुरु	22/06/2039	शनि	16/06/2048	बुध	11/02/2057	केतु	05/03/2071	शुक्र	18/09/2087
शनि	03/06/2040	बुध	15/11/2049	केतु	10/07/2057	शुक्र	05/03/2074		00/00/0000
बुध	10/04/2041	केतु	16/06/2050	शुक्र	09/09/2058	सूर्य	27/01/2075		00/00/0000
केतु	16/08/2041	शुक्र	15/02/2052	सूर्य	15/01/2059	चंद्र	28/07/2076		00/00/0000
शुक्र	16/08/2042	सूर्य	15/08/2052	चंद्र	16/08/2059	मंगल	16/08/2077		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 11 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न के उदय काल में हुआ था। जन्म लग्न के समय पूर्वीय क्षितिज पर सिंह राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादि के प्रभाव की ज्योतिषीय आकृति से यह दृष्टिगत हो रहा है कि आपके जन्म प्रभाव के फलस्वरूप आपका जीवन धन, प्रतिष्ठा एवं शक्ति से संपन्न गुणों का प्रतिनिधित्व करायेगा। परंतु आप मन में ऐसी भावना लेकर निश्चिंत न होंवे कि क्योंकि आपके जन्म का जो प्रभाव है वह आपकी परिस्थिति के अनुकूल है इसलिए सब कुछ स्वतः ठीक हो जाएगा। ऐसा न समझे। आपको सफलता की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। अर्थात् आपकी सफलता का श्रेय आपके परिश्रम और आपकी सच्ची लग्न पर निर्भर करता है।

आपकी महत्वकांक्षा के प्रति आपकी कार्यदक्षता एक अनुग्रहणीय गुण से युक्त है। आप अच्छी प्रकार यह जानते हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान की शक्ति से कुशाग्र बुद्धिमत्ता द्वारा अपनी योजना के प्रति समर्पित होकर उस कार्य योजना को लाभदायक एवं धन प्रदायक बना कर प्रस्तुत कर सकते हैं जो सुदृढ़ सुनिश्चियात्मक है। यदि आप ऐसा करें तो इसकी संभावना से विजयोल्लासित हो सकते हैं।

इस प्रकार आप लाभजनक स्थिति में आ सकते हैं। आप जीवन के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष की आयु के मध्य आपकी उन्नति एवं आपका भविष्य अन्यों की अपेक्षा उत्तम एवं प्रमुख नक्षत्र की भांति चमत्कृत होगा। आप अपनी वृद्धा अवस्था काल सहजतापूर्वक धन संचय संबंधी भवन का निर्माण कर सकते हैं।

आपकी पत्नी आपकी सीखभरी गुण युक्त निर्देशन प्राप्त करेंगी। क्योंकि लोग आपके पास पहुंच कर महत्वपूर्ण विषयों पर निर्देशन प्राप्त करेंगे। आप मात्र उचित सम्मति ही नहीं प्रदान करेंगे बल्कि आप जरूरतमंद लोगों को धन संबंधी उचित स्रोत की भी व्यवस्था करेंगे। आप निश्चय पूर्वक दान सेवी संस्था को दान भी देंगे। क्योंकि आपका झुकाव धर्म की ओर भी रहता है। इस कारणवश आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण एवं परिदर्शन भी करेंगे।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ी बहुत सतर्कता बरतनी चाहिए। यद्यपि आप स्वास्थ्य प्रसन्न एवं दीर्घजीवी प्राणी हैं। परंतु ऐसी आशंका है कि आप संबंधित रोगादि से प्रभावित भी हो सकते हैं। यथा चर्मरोग, अपाचन प्रक्रिया एवं क्षयरोगादि। इस संबंध में आप रूचिपूर्वक इस विधान को अंगीकृत करते हैं कि स्वस्थ्य रहने के लिए सतर्कता बरतनी चाहिए। आप सदैव उन संभावित दुर्घटनादि की अनदेखी न करें। जो सामान्य रूप से शरीर में छोटी-मोटी चोटादि होते रहते हैं।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग त्याज्य है। परंतु आपके लिए सफेद, लाल, काला एवं नीला रंग सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए अंकों में 3 अंक सर्वथा प्रतिकूल है। परंतु आपके लिए अनुकूल अंक

6, 8 एवं 9 अंक है। यह सभी महत्वपूर्ण कार्यो के संपादन हेतु लाभजनक है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वोत्तम दिन है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल है।